>

Title: Need to implement Rajiv Gandhi Rural Electrification Scheme in a foolproof manner in the country especially in the villages of Bihar State.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज): अध्यक्ष महोदया, मैं अति लोक महत्व के विषय की तरफ आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। पूरे देश में राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना के तहत गांवों में विद्युतीकरण का काम किया गया है लेकिन जहां गांवों में विद्युत पहुंचाई गई है वहां एक फेज की लाइन लगा कर और 25 केवीए, 16 केवीए का ट्रंसफार्मर लगाया गया है। ज्यादा लोड होने की वजह से बिहार में लगभग सौ प्रतिशत, आपका क्षेत्र भी बिहार में है, मैं आपके क्षेत्र की भी बात कह रहा हूं, वहां सौ प्रतिशत ट्रंसफार्मर जल चुके हैं। बिहार सरकार ने घोषणा कर दी है कि इन ट्रंसफार्मर्स को नहीं बदलवाएंगे और उनके पदाधिकारी सांसदों को चिट्ठी लिखते हैं, चिट्ठी का अंतिम पैरा मैं आपको पढ़ कर सुनाना चाहता हूं। वे चिट्ठी लिखते हैं कि "सिंगल फेज ट्रंसफार्मर के जलने की स्थिति में यदि माननीय सांसद के द्वारा ट्रंसफार्मर की क्षमता वृद्धि पर थ्री फेज ट्रंसफार्मर लगाने की योजना की अनुशंसा की जाती है, तो ऐसी स्थिति में थ्री फेज ट्रंसफार्मर बदलने के मामले में परियोजना पर होने वाली कुल लागत सांसद मद से खर्च की जाएगी।"

अध्यक्ष महोदया, जो प्रक्रिया है, वह गलत अपनाई गई है। हम आपसे निवेदन करेंगे कि राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना भारत सरकार की योजना है और भारत सरकार अगर इस योजना को आगे चलाती है तो कम से कम 63 केवीए, 100 केवीए का ट्रंसफार्मर लगाए। इसके साथ ही जो ट्रंसफार्मर सौ में से सौ प्रतिशत जल चुके हैं, यदि सांसद मद से ही पैसा लेना है, चूंकि गांवों में जाने पर वहां के लोगों का काफी दबाव है और विद्युत के लिए सारे लोग बेचैन हैं। वे चाहते हैं कि किसी तरह ट्रंसफार्मर बदला जाए। सांसद मद से पैसा देने के बाद भी जो रेट विद्युत विभाग ने तय किया है, 63 केवीए के ट्रंसफार्मर बाजार में 60 हजार रुपए में बिक रहा है, जबकि विद्युत विभाग ने बिहार में 80 हजार रुपये उसका रेट तय किया है। इस तरह बीस हजार रुपए सांसद मद का पैसा जो जनता का पैसा है, सरकार ने इस पैसे को जनता पर खर्च करने के लिए दिया है, अगर बीस हजार रुपया ज्यादा दिया जाएगा तो सीधे तौर पर यह पैसा दलाली में खर्च होगा। इसलिए मैं आपसे आग्रह करूंगा कि भारत सरकार राज्य सरकार से वार्ता करे। अगर चाहे तो हम कुल सांसद मद का हम इस मद में दिल्ली में लिख देने के लिए तैयार हैं और मेरे क्षेत्र का और पूरे बिहार का जो 25 और 16 केवीए का ट्रंसफार्मर है, उन्हें बदलवाने का काम शीघ्र किया जाए, ताकि गांवों में शांति कायम हो सके, नहीं तो गांवों में जाना भी मुश्किल हो चुका है।

अध्यक्ष महोदया : अब आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

श्री प्रभुनाथ सिंह : महोदया, मैं अपनी बात एक मिनट में समाप्त करने वाला हूं। मैं कोई लम्बा-चौड़ा भाषण नहीं दूंगा। महोदया, यह जो पैसा देना है, डीएम के माध्यम से सीधे-सीधे विद्युत विभाग को देना है, जबकि अन्य योजनाएं डीआरडीए के माध्यम से बिहार में काम पूरे कराए जाते हैं। अगर कोटेशन के माध्यम से डीएम को यह अधिकार दिया जाता है, तो हमें लगता है कि सस्ते दाम पर और जल्दी ट्रंसफार्मर का बदलाव सांसद मद से हो जाएगा।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग अपने को प्रभुनाथ सिंह जी द्वारा उठाए गए मुद्दे से संबद्ध कर लीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब यह मैटर समाप्त हो गया है।